डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 206 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 12 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

चैन स्नेचर पुलिस के शिकंजे में

✲ दो जगहों पर की थी वारदात, तीन दिन की रिमांड ✲ चोरी की चेन खरीदने वाले को भी बनाया आरोपी, चार आरोपी हुए

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। तैलिया तालाब और दशरथ नगर में हुई चैन स्नेचिंग के मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को गिफ्तार किया है। वहीं एक की तलाश जारी है। इसके साथ ही पुलिस ने दिनेश पिता जीवनलाल सोनी निवासी स्कीम नं. 36 नीमच को भी आरोपी बनाया है।उस पर आरोप है कि मंदसौर के दशरथ नगर में हुई चैन स्नेचिंग की वारदात में खींची गई चेन उसने खरीदी थी। इनमें अंतर्राज्यीय गैंग के दो सदस्य महाराष्ट्र के हैं। नीमच के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है और चोरी की चेन खरीदने वाले को दिव्यांग होने के चलते नोटिस दिया है। जब भी चालान पेश करेंगे तब उसे उपस्थित होना पड़ेगा। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां उन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। संभावना है कि अन्य वारदातें भी पूछताछ के दौरान सामने आ सकती है।

पुलिस ने बताया कि 29 मार्च को तैलिया तालाब पर एक चैन स्नेचिंग की घटना हुई थी। जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति पिछे से महिला के गले से सोने की चैन झपटकर ले गया। इसी तरह से 05 मई को दशरथ नगर स्थित माली कॉलोनी में एक महिला के गले से बाइक सवार बदमाश चेन झपटकर ले गए। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले। जिसमें दो संदिग्ध नजर आए। पुलिस ने पांच टीमें बनाकर शहर के सीसीटीवी केमरे फुटेज के अलावा मदंसौर से नीमच की ओर जाने वाले सीसीटीवी केमरे फुटेज चेक किए। कुल मिलाकर मंदसौर, नीमच, नयागांव, निम्बाहेंडा तथा महू नीमच हाईवे के 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरो को चेक किया गया। पुलिस को पता चला कि इन वारदातों को पारदी गेंग के बदमाशों द्वारा किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले में बब्बन उर्फ बबलु पिता मोहन चौहान जाति पारदी उम्र 28 साल निवासी शनिदेव गांव थाना ईरगाव जिला औरंगाबाद महाराष्ट्र और सोनी पिता ज्ञान सिह पंवार जाति पारदी उम्र 39 साल निवासी नगर पालिका चोकन्ना बालाजी के पास नीमच को गिरफ्तार किया। वहीं सिम्भा पिता नंदु पंवार निवासी हड्डी मील, पानी टंकी के पास जिला गुना हाल मुकाम शनिदेव गांव थाना ईरगाव जिला औरंगाबाद महाराष्ट्र की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरापियों से एक सोने की चेन किमती करीब 01 लाख रुपये, 01 मोटर साईकिल बजाज पल्सर 220 एफ किमत 01 लाख 20 हजार रुपये, नगदी करीब 02 हजार रुपये जब्त किये है। आरोपियों से विस्तृत पूछताछ चल रही हैं।

काली कमाई: ठिकाने लगाने के लिए राजस्थान का रुख

तस्करों पर पुलिस का शिकंजा, चार माह में 28 करोड़ की संपत्ती खोजी

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में मादक पदार्थ तस्करों की नकेल कसने के लिए पुलिस आर्थिक रूप से कमजोर कर रही है। कुख्यात तस्करों पर सफेमा की कार्रवाई कर उनकी संपत्ति सीज की जा रही है। चार माह की बात करें तो पुलिस ने तस्करों की 28 करोड़ से अधिक की संपत्ती खोज निकाली। कार्रवाई से दहशत में आए तस्कर भी अब अपनी काली कमाई को ठिकाने लगाने के लिए जिले से लगे राजस्थान का रुख करने लगे हैं।

रिश्तेदारों के नाम से संपत्ती...

कई मामलों में सामने आया है कि तस्करों ने काली कमाई से जो खेत, भवन, होटल व अन्य चल अचल संपत्ती ली थी, उसे कागजों में दूर के रिश्तेदारों व दोस्तों के नाम दर्ज करा दी थी। पुलिस ने 2018 से 2024 तक के ऐसे 132 लोगों को चिन्हित किया। रातों रात अमीर बने इन लोगों पर अब सफेमा का शिकंजा कसा गया। मुंबई कोर्ट ने जनवरी-अप्रैल 2025 के चार माह में बारह तस्करों की 28 करोड़ 07 लाख 84 हजार रुपए से ज्यादा की संपत्ती फ्रिंजिंग के आर्डर भी जारी कर दिए है।

नौकरों व मित्रों के नाम भी खरीद रहे संपत्ति...

सफेमा की कार्रवाई में रिश्तेदारों की संपत्ति भी सीज की जा सकती है। ऐसे में तस्कर जिले में बेनामी प्रापर्टी खड़ी कर रहे हैं। यहां तक कि नौकरों, मित्रों और पार्टनर के नाम पर भी जमीन खरीद रहे हैं। तस्करों के यहां कितने नौकर हैं, इसकी जानकारी किसी के पास नहीं रहती। नौकर के नाम काली कमाई से खरीदी प्रापर्टी पुलिस कार्रवाई से सुरक्षित भी रहती है। मंदसौर नीमच जिले की सीमा तीन ओर से राजस्थान से लगी है। तस्कर इसका भी लाभ उठा रहे हैं। राजस्थान में 10 से 15 किलोमीटर अंदर तक प्रापर्टी खरीद रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी स्वीकार कर रहे हैं कि सफेमा की कार्रवाई ने तस्करों की कमर तोडी है। तस्कर अपनी काली कमाई बचाने के लिए परेशान हैं। इसके लिए तरह -तरह के रास्ते आजमा रहे हैं।

काली कमाई से राजस्थान में खरीद रहे सपत्ति...

सफेमा की कार्रवाई से तस्करों पर आर्थिक मार पड रही है। 8 से 10 साल न्यायालय में प्रकरण चलता है। इससे तस्कर और उसके रिश्तेदार आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। सीज की गई प्रापर्टी न बेच पाते हैं और न उपयोग कर पाते हैं। सफेमा की कार्रवाई के बाद नजदीक के लोग भी दूरी बना लते हैं। सफेमा की कार्रवाई से काली कमाई बचाने तस्कर राजस्थान में भी प्रापर्टी खरीदने लगे हैं, वहां पुलिस हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

नीमच पुलिस ने भी कसा शिकंजा...

इधर मंदसौर के अलावा नीमच पुलिस ने भी तस्करों पर तगड़ा शिकंजा कसा है। नीमच पुलिस ने जिले के 05 कुख्यात मादक पदार्थ तस्करों पर पिछले एक साल में सफेमा के तहत कार्रवाई की गई है।

29 अप्रेल 24 को शौकीन पिता घीसूलाल उर्फ घीसालाल निवासी छोटी घाटी श्रीपुरा थाना रतनगढ़ की 02 करोड़ 85 लाख रुपए की सपत्ति, 24 अप्रेल 24 को दशरथ पिता बापूसिंह राजपूत 38 वर्ष निवासी ग्राम केरी थाना जीरन की 04 करोड़ 44 लाख 25 हजार 685 रुपए की सपत्ति, 16 जुलाई 24 को पदमसिंह पिता भेरूसिंह 35 वर्ष निवासी सगराना थाना नीमच कैंट की 06 करोड़ 30 लाख रुपए की सपत्ति, 27 मार्च 25 को पप्पू पिता बाबरूलाल उर्फ बाबूलाल धाकड़ 35 वर्ष निवासी ग्राम हाथीपुरा थाना रतनगढ़ की 01 करोड़ 99 लाख 21 हजार रुपए और 08 अप्रेल 2025 को रतनलाल उर्फ कन्हैयालाल उर्फ कान्हा पिता कालूराम 34 वर्ष निवासी जनकपुर थाना रतनगढ़ की एक करोड़ 52 लाख 70 हजार 990 रुपए की संपत्ति सफेमा के तहत सीज की गई है। इन तस्करों पर मध्यप्रदेश और राजस्थान में डोडाचूरा और अफीम तस्करी के कई प्रकरण दर्ज हैं। इसके चलते ही सफेमा की कार्रवाई प्रस्तावित की गई थी।

पाकिस्तान ने सीजफायर तोड़ा तो करारा जवाब देंगे-सेना

ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन के 40 सैनिक, 100 आतंकी मारे; 5 भारतीय जवान शहीद

नईदिल्ली, 11 मई। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 25 घंटे बाद रविवार शाम 6:30 बजे तीनों सेनाओं ने 1 घंटा 10 मिनट तक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की जानकारी दी।

भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई की शाम 5 बजे संघर्ष विराम हुआ था। इसके कुछ घंटे बाद पाकिस्तान ने सीजफायर तोड़कर जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में फायरिंग और ड्रोन से हमला किया था। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा- 'आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इसमें दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को हुई कार्रवाई में सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मार गिराए। इसमें कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल 3 बड़े आतंकी चेहरे भी शामिल थे।

7 मई को हुई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल्स से हमारे बॉर्डर स्टेट्स में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की। हमनें उन्हें हवा में ही मार गिराया। एक भी टारगेट सक्सेस नहीं होने दिया। इसके बाद हमने पाकिस्तान को जवाब देते हुए सख्त कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक और अफसर मारे गए। बॉर्डर और डवि पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं। मुरीदके के टेररिस्ट कैंप के बाद बहावलपुर ट्रेनिंग कैंप में कई इन्फ्रास्ट्रक्चर को चुना, जहां आतंकवाद को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता था। इन 2 टेररिस्ट कैंप को हमने टारगेट बनाया और इन्हें तबाह किया। भविष्य के ऑपरेशन के बारे में मैं ज्यादा कुछ नहीं बता सकता, लेकिन इतना तय है कि सीडीएस ने हमारे सभी कमांडर को छूट दे रखी है कि वे किसी भी बॉर्डर वॉयलेशन का जवाब दें।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया, बहावलपुर ट्रेनिंग कैंप में कई इन्फ्रास्ट्रक्चर को चुना, जहां आतंकवाद को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता था। इन दो टेररिस्ट कैंप को हमने टारगेट बनाया और इन्हें तबाह किया। हमने टेररिस्ट और टेररिस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को टारगेट किया। पाकिस्तानी मिलिट्री और किसी और इन्फ्रास्ट्रक्चर को टारगेट नहीं किया। 7 मई की शाम यूएवी और ड्रोन से पाकिस्तान ने हमला किया। ये किसी लहरों की तरह थे। इनमें से 3 लैंड कर पाए, लेकिन ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। हमने उनके आतंकवादियों को निशाना बनाया। उन्होंने मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर और सिविलियंस को निशाना बनाया।

बीस साल पहले हुई थी मौत, बड़े अस्पताल में आत्मा लेने आया परिवार

ब्रेन हेमरेज से हुई थी मृत्यु, अस्पताल परिसर में की पूजा

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। बड़े अस्पताल में एक बार फिर एक परिवार अपने मृत सदस्य की आत्मा लेने पहुंचा। परिवार ने दावा किया कि 20 साल पहले उनके परिजन की मौत अस्पताल में हुई थी। लेकिन, उनकी आत्मा अभी भी अस्पताल में भटक रही है। इसलिए आत्मा को घर ले जाने के लिए आए है।

मंदसौर के बड़े अस्पताल में अंधविश्वास से जुड़ी घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। इस बार ग्राम अमलावद से एक परिवार बड़े अस्पताल पहुंचा, जहां पूजन और टोटका किया। अस्पताल में मृतक के भाई, भतीजे समेत अन्य परिजन पहुंचे।

मृतक के भाई रामचन्द्र निवासी अमलावद ने बताया कि 20 वर्ष पूर्व भाई की मौत हुई थी। उसकी ज्योत लेने के लिए अस्पताल आऐ थे, यहां से पूजा के बाद ज्योत लेकर जाएंगें और घर पर बिठाऐंगे। मृतक के भतीजे रोहित ने बताया कि 20 साल पहले दिमाग की नस फटने से काका की मौत हुई थी। उनकी आत्मा को लेने आऐ थे। परिवार ने अस्पताल परिसर में पूजा-पाठ किया। हालांकि यह घटना अंधविश्वास से जुड़ी है, जहाँ लोग मानते हैं कि मृत व्यक्ति की आत्मा अभी भी भटक रही है और उसे घर लाने के लिए रस्में और पूजा-पाठ करने की आवश्यकता होती है। कुछ मामलों में परिवार के सदस्य आत्मा को ले जाने के लिए अस्पताल परिसर में भी पूजा-पाठ करते हैं।

बिजली के लिए–विद्युत लाईन डालने के लिए पुलिस कंट्रोल रुम के बाहर वर्षों से खड़े हरे पेड़ों काट दिया गया है। बता दे इन पेड़ों पर हजारों पक्षियों का बसेरा था।

सरकारी तौर पर गेहूं खरीदी ने तोड़ा रिकॉर्ड

किसानों का मिला समर्थन, 27 हजार से ज्यादा ने बेचा गेहूं

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। इस बार समर्थन मूल्य पर सरकार द्वारा ख़रीदे जा रहे गेहूं को किसानों का अच्छा खासा समर्थन मूला है। यह बात जरूर है कि सवा दो लाख से ज्यादा किसाना में से जिले में 27 हजार 122 किसानों ने ही सरकारी खरीदी में गेहूं बेचा, फिर भी रेकॉर्ड खरीदी हुई। इसका कारण है कि 2020 के बाद जिले में सरकारी खरीदी में किसान गेहूं बेचने में रूचि नहीं दिखा रहे थे। इस साल समर्थन मूल्य व बोनस मिलाकर प्रति क्विंटल दाम 2600 रुपए मिल रहे हैं। जिससे किसानों की गेहूं बेचने में रूचि बढ़ी हैं। 2020 में जिले में रेकार्ड 1.80 लाख मैट्रिक टन गेहूं की खरीदी हुई थी। इस साल 09 मई की सुबह 10 बजे तक जिले में 1.77 लाख मैट्रिक टन गेहूं खरीदी हो चुकी हैं।

समर्थन पर बंपर खरीदी को देखते हुए जिले में दो बार खरीदी का लक्ष्य भी बढ़ाया जा चुका हैं। इस बार जिलेभर के सभी 72 केंद्रों पर दिनोंदिन गेहूं की आवक बढ़ती रही। समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने में किसानों की रुचि को देखते हुए खरीदी का लक्ष्य दो बार बढ़ाया जा चुका हैं। इस साल गेहूं खरीदी का लक्ष्य 55 हजार मैट्रिक टन रखा था। इतना गेहूं खरीदी शुरू होने के 20 दिन में ही हो गई थी। इसके बाद लक्ष्य बढ़ाकर एक लाख मैट्रिक टन किया गया था। खरीदी का आंकड़ा अभी 1 लाख 77 हजार मैट्रिक टन पर पहुंच गया हैं। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 09 मई को पूरी हो गई।

मंडी में कम दामों से बढ़ी सरकारी खरीद...

इस साल शासन द्वारा गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल एवं 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस निर्धारित किया। 2600 रुपए प्रति क्विंटल के दाम से सरकार ने गेहूं खरीदा। मंडी में 2300 से 2700 रुपए तक दाम में गेहूं बिके। मंडी में कम दाम होने के कारण सरकारी खरीदी की ओर किसानों का रुझान बढ़ा, रेकॉर्ड खरीदी 09 मई तक हुई।

मई में मानसून का अहसास...

✲ दिनभर बादल, शाम को बारिश, फिर बादल ✲ इस बार 15 जून तक मानसून के आगमन की संभावना

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में 02 दिन के अंतराल के बाद रविवार को मौसम ने एक बार फिर करवट ली। दोपहर करीब 01 बजकर 50 मिनट पर तेज हवाओं के साथ बारिश की शुरुआत हुई। लेकिन, यह सिलसिला केवल 10 मिनट में ही थम गया। इसके बाद आसमान साफ हो गया और शहर पर फिर से तेज धूप छा गई। बीते दो दिनों से जिले में मौसम अस्थिर बना हुआ है। कभी धूप, कभी बादल और बीच-बीच में हल्की बारिश ने लोगों को गर्मी से कुछ राहत दी है, लेकिन यह राहत स्थायी नहीं रही। शनिवार को भी बारिश की संभावना बनी थी, मगर बादल जल्द ही छंट गए थे।

प्रदेश में इस बार दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने तय समय (15 जून) पर प्रदेश में पूर्वी क्षेत्र से दस्तक दे सकता है। प्रवेश करने के पांच दिन में मानसून के पूरे प्रदेश में छा जाने की भी संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञानियों ने मध्य प्रदेश में मानसून की वर्षा सामान्य से अधिक होने की भी उम्मीद जताई है। बता दें कि पिछले वर्ष प्रदेश में मानसून छह दिन की देरी से 21 जून को आया था। मौसम विज्ञान केंद्र की वरिष्ठमौसम विज्ञानी डा. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि यदि देश में मानसून जल्दी आता है तो प्रदेश में भी इसके तय समय पर आने की संभावना है। पिछले वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 21 जून को प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र पांढुर्ना, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर जिलों में प्रवेश किया था। इस बार भी इन्हीं जिलों से मानसून के प्रवेश की संभावना बताई जा रही है।

सामान्य से बेहतर मानसून रहने की उम्मीद...

✲ अनुमान के मुताबिक, प्रदेश में 104 से 106 प्रतिशत अर्थात औसत 38-39 इंच वर्षा हो सकती है। ✲ जबलपुर-शहडोल संभाग में सबसे ज्यादा वर्षा संभावित है। ✲ जबकि ग्वालियर, चंबल, इंदौर, उज्जैन और भोपाल संभाग में भी वर्षा का कोटा फुल हो सकता है। ✲ बता दें कि प्रदेश की सामान्य वर्षा औसत 37.3 इंच है।

अंचल में भी हुई बूंदाबांदी–मंदसौर शहर के अलावा शामगढ़, सुवासरा, सीतामऊ, पिपलिया मंडी, मल्हारगढ और दलौदा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी थोड़ी देर के लिए हल्की बारिश दर्ज की गई। कुछ क्षेत्रों में काले बादल छाए रहे और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की सूचनाएं भी मिली हैं, जिससे मौसम में हल्की ठंडक का एहसास हुआ।

13 मई तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना–मौसम विभाग के अनुसार आगामी 13 मई तक प्रदेश के अलग-अलग जिलों के साथ मंदसौर में भी बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि, उमस और गर्मी से फिलहाल पूरी तरह राहत मिलने की संभावना कम है।

पिछले 10 वर्षों में प्रदेश में कब-कब आया मानसून

वर्ष	आगमन	विदा हुआ
2024	21 जून	07 अक्टूबर
2023	24 जून	09 अक्टूबर
2022	16 जून	14 अक्टूबर
2021	09 जून	11 अक्टूबर
2020	14 जून	21 अक्टूबर
2019	24 जून	12 अक्टूबर
2018	25 जून	04 अक्टूबर
2017	22 जून	11 अक्टूबर
2016	19 जून	13 अक्टूबर
2015	15 जून	02 अक्टूबर

(मौसम विज्ञान केंद्र के सौजन्य से)

विचार-मंथन

आतंकवादियों को संरक्षण देना ही पाकिस्तान की नियति

यह जगजाहिर है कि भारत में आतंकवाद की समस्या को ज्यादा जटिल बनाने में पाकिस्तान की क्या भूमिका रही है। यह भी छिपा नहीं है कि भारत में आतंकी वारदात के लिए जिम्मेदार संगठनों को पाकिस्तान किस स्तर पर शह देता रहा है और इसी वजह से कितने आम लोग पिस रहे हैं। हाल ही में पहलगाम में आतंकी वारदात पाकिस्तान की साजिशों की ही एक कड़ी थी, जिसमें छब्बीस पर्यटकों को जान गंवानी पड़ी। इस आतंकी हमले की जैसी प्रकृति थी, उससे स्वाभाविक ही न केवल भारत में व्यापक दुख और आक्रोश पैदा हुआ, बल्कि दुनिया भर में इस घटना पर चिंता जताई गई। भारत के सामने यह चुनौती थी कि वह आतंकियों के इस दुस्साहस के खिलाफ किस हद तक सब्र करे। फिर भी भारत ने संयम से काम लिया और बहुत सोच-समझ कर अपनी प्रतिक्रिया दी। संवाद के जरिए पाकिस्तान को समझाने और आतंकवाद को समर्थन देने से रोकने के लिए भारत ने जितना संभव था, वह सब किया। मगर ऐसा लगता है कि पाकिस्तान के लिए शांति और संवाद का रास्ता कोई महत्व नहीं रखता और आतंकवादियों को संरक्षण देना ही वह जरूरी समझता है। यह बेवजह नहीं है कि सारे विकल्प खत्म होने के बाद आखिर भारत को सख्त कदम उठाने पड़े और उसने 'आपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तानी क्षेत्र में स्थित आतंकी ठिकानों पर कामयाब हमला किया। दरअसल, पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पिछले कई दिन से बिना वजह के सीमा पर पाकिस्तान की ओर से बार-बार संघर्षविराम का उल्लंघन जारी था। ऐसे में भारत के पास जवाब देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा था। मगर पाकिस्तान ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय जिस तरह भारतीय क्षेत्र में गोलीबारी की, उसमें कई लोगों की जान चली गई। भारत के ठोस जवाब के बावजूद गुरुवार को आई खबर के मुताबिक, पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके भारत में पंद्रह जगहों पर हमला करने की कोशिश की, जिसे भारत ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई में लाहौर में पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया गया। एक ओर, लगातार आतंकवादी हमले और साजिश को झेलने के बावजूद भारत ने अंतिम विकल्प के रूप में पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया भी तो वह 'केंद्रित और नपी-तुली' प्रतिक्रिया थी, वहीं पाकिस्तान अपनी मंशा के बेपर्द होने पर भी ऐसी गतिविधियां जारी रखे हुए है, जिसे उकसावे की कार्रवाई कहा जा सकता है। विचित्र यह भी है कि आतंकवादियों को शह देने के सवाल पर पाकिस्तान दुनिया भर में कठघरे में खड़ा दिखता है। ऐसे कई मौके सामने आ चुके हैं। कुछ वर्ष पहले बेजिंग में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के घोषणापत्र में भी इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया गया था कि लश्करे-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे कई बड़े आतंकवादी संगठन पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। इस बेपर्दगी के बावजूद पाकिस्तानी शासकों ने आतंकी संगठनों को शह और संरक्षण देना नहीं रोका। सवाल है कि वह आने वाले दिनों में अपनी इस प्रवृत्ति के अंजाम की अनदेखी किन वजहों से कर रहा है। ऐसी हरकतों की वजह से भारी संख्या में आम लोग आतंकवाद की मार से पिस रहे हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पाकिस्तान की बेलगाम हरकतों पर दुनिया की नजर है और इसका गंभीर खमियाजा उसे भुगतना पड़ सकता है।

भारत का आतंक पर कभी न भूलने वाला प्रहार...

योगेश कुमार गोयल

'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये भारत ने साबित कर दिया है कि वह अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं बल्कि आतंक के स्त्रोतों पर निर्णायक और सर्जिकल प्रहार करने वाला राष्ट्र बन चुका है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह भारत ने सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों पर निशाना साधते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, उसने न केवल पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाई बल्कि भारत की नई सैन्य नीति को भी स्पष्ट कर दिया कि अब हम चुप नहीं बैठेंगे बल्कि हम आतंक के जन्मस्थल तक जाएंगे और वहां आग लगाएंगे। यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, यह उस बदले हुए भारत की घोषणा थी, जो अब बातों से नहीं, बमों से जवाब देता है, जो कूटनीति की किताब बंद करके अब अपने लड़ाकू विमानों और मिसाइलों की बोली में संवाद करता है। भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकियों के अड्डों पर सर्जिकल स्ट्राइक की तो यह महज जवाबी हमला नहीं था, यह स्पष्ट संदेश था कि भारत अब किसी आतंकी की मांद को भी सुरक्षित नहीं छोड़ेगा, चाहे वह सरहद के इस पार हो या उस पार। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य स्पष्ट था, उन स्थानों को ध्वस्त करना, जहां से भारत में आतंक का बीज बोया जाता है। पहलगाम हमला, जिसमें हमारे निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उसकी साजिश कहीं और नहीं, पाकिस्तान की फौज, आईएसआई

और लश्कर-ए-तैयबा जैसों की सांठगांठ से ही तैयार की गई थी। भारत ने न केवल इस साजिश को समझा बल्कि उसे जड़ से उखाड़ने की भी ठान ली है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने जिस साहस, रणनीति और सटीकता का परिचय दिया, वह दुनिया के किसी भी शीर्ष सैन्य बल को चुनौती देने के लिए पर्याप्त है। पाकिस्तान हमेशा से ही दोहरी भूमिका निभाता रहा है, एक ओर वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शांति और वार्ता की बात करता है तो दूसरी ओर अपने क्षेत्र को आतंकियों के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में प्रयोग करता है। भारत ने अब उस नकाब को पूरी तरह नोच फेंका है। ऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया कि भारत अब उन भाषणों या प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं होगा, जो संयुक्त राष्ट्र में दिए जाते हैं बल्कि उन बंकरों को नेस्तनाबूद करेगा, जहां से ये षड्यंत्र जन्म लेते हैं। भारत द्वारा यह कार्रवाई अचानक नहीं की गई बल्कि पहले खुफिया एजेंसियों के माध्यम से आतंकियों की गतिविधियों की पूरी जानकारी जुटाई गई। सैटेलाइट इमेजिंग, मानव खुफिया नेटवर्क और तकनीकी निगरानी के जरिये भारत को यह स्पष्ट हो गया था कि पाक अधिकृत कश्मीर में कुछ स्थान आतंकियों के लांच पैड के रूप में कार्य कर रहे हैं। यह भी सामने आया कि हालिया पहलगाम हमले की योजना भी यहीं से बनाई गई थी। भारत की यह नीति अब 'हिट ऐंड होल्ड' की है कि हमला करो, कब्जा करो और दबाव बनाए रखो। इस ऑपरेशन में सबसे प्रभावशाली बात यह रही कि भारतीय लड़ाकू विमानों ने रात के अंधेरे में बेहद सटीकता से अपने लक्ष्य साधे और सीमित समय में वहां से निकल आए। यह 'नो वॉर्निंग, नो वॉर' रणनीति का आदर्श उदाहरण था। पाकिस्तान के वायु रक्षा तंत्र को भनक तक नहीं लगी और जब तक वहां के सैन्य प्रतिष्ठान कुछ समझ पाते, तब तक भारत अपना काम करके वापस लौट चुका था। इस ऑपरेशन में केवल आतंकी ठिकानों को ही नहीं, उन ठिकानों को भी निशाना बनाया गया, जहां से उन्हें रसद, हथियार और प्रशिक्षण दिया जाता था। यह केवल आतंकियों के खिलाफ नहीं बल्कि आतंक को संरक्षण देने वाली पूरी पाकिस्तानी सैन्य और खुफिया संरचना के खिलाफ कार्रवाई थी। यही कारण है कि पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में इस ऑपरेशन के बाद सन्नाटा छा गया। हालांकि पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पूर्वानुमेय थी, पहले इन्कार, फिर विक्टिम कार्ड खेलना और अंत में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगाना लेकिन अब वैश्विक परिदृश्य बदल चुका है। अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अन्य लोकतांत्रिक देश भारत के साथ खड़े हैं। आतंक के प्रति उनकी नीति अब स्पष्ट है कि जो आतंक को शरण देगा, वह खुद सुरक्षित नहीं रहेगा। इसीलिए, भारत द्वारा किए गए इस ऑपरेशन को विश्वभर में नैतिक समर्थन और वैधता प्राप्त हुई है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ऑपरेशन सिंदूर का सैन्य पक्ष जितना शक्तिशाली था, उतनी ही मजबूत उसकी कूटनीतिक तैयारी भी थी। भारत ने पहले ही अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के आतंक समर्थक चेहरे को उजागर कर दिया था। एफएटीएफ जैसे मंचों पर पाकिस्तान की असफलताएं जगजाहिर हैं। ऐसे में भारत का यह सैन्य कदम उस लंबे कूटनीतिक संघर्ष का परिणामी वार था, जिसे वर्षों से संजोया जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी दिखा दिया कि भारत अब केवल एलओसी तक सीमित नहीं है। यदि आवश्यक हुआ तो भारत नियंत्रण रेखा पार करके भी अपने हितों की रक्षा कर सकता है। यह नीति पाकिस्तान के लिए स्पष्ट चेतावनी है कि यदि उसने अब भी अपने घर में पल रहे आतंकी सांपों को दूध पिलाना बंद नहीं किया तो अगली बार भारत उनके बिलों तक पहुंचेगा और उन्हें वहीं खत्म करेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत की सैन्य क्षमता अब केवल परंपरागत युद्धों तक सीमित नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर में जिन हथियारों और तकनीकों का उपयोग किया गया, उनमें राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान, ड्रोन निगरानी, रियल टाइम सैटेलाइट डेटा और बंकर भेदी बम शामिल थे। यह सब कुछ दर्शाता है कि भारत अब एक आधुनिक, आक्रामक और निर्णायक सैन्य शक्ति बन चुका है। पाकिस्तान की अब तक की रणनीति यही रही है कि वह भारत के धैर्य की परीक्षा लेता रहे और भारत केवल विरोध या चेतावनी तक सीमित रहे लेकिन अब वह दौर समाप्त हो गया है। भारत ने बता दिया है कि वह न केवल जवाब देगा बल्कि ऐसा जवाब देगा, जो 'आतंकिस्तान' को अगली साजिश रचने से पहले सौ बार सोचने पर विवश करेगा। आतंक को बढ़ावा देना अब पाकिस्तान के लिए केवल एक रणनीति नहीं, आत्मघाती कदम बन चुका है। भारत ने साबित कर दिया है कि अब न केवल सीमा की सुरक्षा करेगा बल्कि आवश्यकता पड़ी तो आतंकी नेटवर्क की जड़ों तक जाकर प्रहार करेगा। यह केवल सैन्य नीति नहीं बल्कि नई भारतीय आत्मा की आवाज है, जो शांति तो चाहती है।

महानगरों में गरीब और बेघर लोगों के साथ होने वाला व्यवहार बेहद संवेदनहीन

वंदना तिवारी

बचपन की फिक्र में हमारा समाज और हमारी सरकारें जिस तरह की राय रखती हैं, अगर वह उसी रूप में जमीन पर उतरे तो देश के बच्चों की एक बड़ी आबादी को वंचना की मार से बचाया जा सकता है। खासतौर पर गरीब तबकों के बच्चों की जिंदगी हर समय एक नई चुनौती का सामना करती है। गांवों में जहां उन्हें अलग स्तर की समस्या का सामना करना पड़ता है, वहीं शहरों में गरीबी और अभाव की जिंदगी उन्हें आमतौर पर बेघर या बेठौर बना देती है। यों तो अमूमन सभी शहरों-महानगरों में स्थिति एक-सी होती है, लेकिन अकेले दिल्ली में ही रैन बसेरों में रहने वाले या बेघर बच्चों की स्थिति और उनके जीवन अनुभवों पर गौर किया जाए, तो आश्रय गृहों में बच्चों की जीवन परिस्थितियों, बुनियादी सुविधाओं, शिक्षा और उनके बचपन की स्थिति को समझा जा सकता है। महानगरों में गरीब और बेघर लोगों के साथ होने वाला व्यवहार कई बार बेहद संवेदनहीन प्रतीत होता है। इन गरीबों में महिलाएं, पुरुष, वृद्ध, मानसिक या शारीरिक रूप से दिव्यांग और सबसे महत्वपूर्ण- बच्चे शामिल हैं। इन रैन बसेरों में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग आश्रय की व्यवस्था की जाती है, लेकिन उनकी बदहाली छिपी नहीं होती। बच्चों के लिए कोई विशेष सुविधा उपलब्ध नहीं होती। बुनियादी ढांचे, सेवाओं, शिक्षा और जीवन गुणवत्ता जैसे कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दों को लेकर बच्चों के साथ सामूहिक चर्चा की जाए, तो उनकी समस्याओं और उनके अनुभवों को समझने की कोशिश की जा सकती है। बेघर बच्चे इसी लगातार बदलते समाज का हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें मुख्यधारा की सामाजिक व्यवस्था से सुनियोजित रूप से बाहर रखा गया है। रैन बसेरों में बच्चों को 'आश्रय' और 'समान जीवन अवसरों' के नाम पर अस्वच्छ, भीड़भाड़ और अमानवीय वातावरण में रहने के लिए बाध्य किया जाता है। ये बच्चे अत्यधिक निर्धनता का सामना कर रहे होते हैं और समाज की उपेक्षा के शिकार होते हैं। सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के अनुसार बच्चों के अनुभवों में जो अंतर होता है, वह यहां स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इन रैन बसेरों में रहने वाले अधिकांश बच्चे विभिन्न राज्यों से आए हुए प्रवासी होते हैं। कई बच्चे अपने गांवों और शहरों की अत्यंत दयनीय परिस्थितियों या घरेलू हिंसा से तंग आकर शहर पहुंच जाते हैं। कई बच्चे शारीरिक हिंसा, विद्यालयों में उत्पीड़न और पारिवारिक अशांति के कारण घर छोड़ने को विवश हो जाते हैं। ये अपने अत्यधिक गरीब जीवन से मुक्ति पाना चाहते थे, लेकिन दिल्ली आने के बाद उनकी स्थिति और दयनीय हो गई। रैन बसेरों में रहने के बाद ये बच्चे भीख मांगने, कबाड़ बीनने, गाड़ी खींचने, विवाह और अन्य आयोजनों में साफ-सफाई का काम करने या भोजन बनाने जैसे कार्यों में भी लग जाते हैं। दरअसल, ऐसे बच्चों को सस्ता श्रमिक समझा जाता है और उन्हें अक्सर शोषक नियोक्ताओं के अधीन काम करना पड़ता है। अनेक बच्चे बिना वेतन केवल भोजन या अत्यंत अल्प भुगतान पर काम करते हैं। ये अपनी मेहनत से भोजन का प्रबंध नहीं कर पाते और कभी-कभी उन्हें भूखे रहना पड़ता है। अगर काम के दौरान वे बीमार या घायल हो जाते हैं, तो उन्हें चिकित्सा सुविधा तक नहीं मिलती। कई बच्चे अपनी कमाई बचाने का प्रयास तो करते हैं, लेकिन अधिकांश इसमें विफल रहते हैं। विशेष रूप से मादक पदार्थों का सेवन और नशे की लत एक गंभीर समस्या के रूप में देखी जा सकती है। बहुस्तरीय उपेक्षा का नतीजा यह होता है कि बच्चे अपने नशेड़ी मित्रों या अन्य लोगों के जरिए इस आदत की गिरफ्त में आ जाते हैं। इस तरह के बच्चों की यह प्रतिक्रिया किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर दे सकती है कि नशे से भूख दब जाती है। इन बेघर बच्चों को समाज के हाशिये पर रखा गया है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चे तो और भी अधिक उपेक्षित अवस्था में पाए जाते हैं। आश्रय गृह के कर्मियों के कठोर व्यवहार की खबरें भी आती रहती हैं। मामूली शोरगुल, खेलकूद या हल्की शरारत पर भी इन बच्चों को मारना-पीटना या उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार मानो अधिकार माना जाता है। कई इलाकों में अगर कोई अपराध होता है तो कई बार पड़ताल के पहले ही ऐसे बच्चों को उसमें संलिप्त मान लिया जाता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय वीरों की पाक को दो टूक 'छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं, घर में घुसकर मारेंगे'

प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री, कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने यह साफ कर दिया कि भारत के जांबाजों ने पीओके में की गयी 9 ठिकानों एयर स्ट्राइक में पहलगाम आतंकी हमले के साथ-साथ मुंबई हमले से लेकर के अन्य तमाम हमलों का हिसाब बराबर करने का कार्य किया है। 7 मई की सुबह जब देशवासियों की आंखें नींद से खुली, तो देश व दुनिया की मीडिया व सोशल मीडिया के प्लेटफार्म भारत की शौर्य गाथा को बयान कर रहे थे, मीडिया के माध्यम से दुनिया को पता चला कि मां भारती के वीर सपूतों ने एक बार फिर से पाक व पीओके में एयर स्ट्राइक कर दी है, भारत के वीरों ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर जमकर के कहर बरपाने का कार्य कर दिखाया है। सूर्य उदय के साथ दिन ही देश व दुनिया में भारत की आतंकियों के ख़िलाफ़ की गयी बड़ी कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' की गूंज जमकर सुनाई दे रही है। मां भारती के वीर सपूतों की टोली ने 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम की 'बैसरन घाटी' में पाकिस्तान के पिट्ठुओं आतंकियों के द्वारा पर्यटकों पर हमला करके की गयी कायराना हरकत का मुंह तोड़ जवाब देने का कार्य वीरता के साथ किया है। लेकिन भारत के वीर सपूतों की पाक परस्त आतंकवादियों के ख़िलाफ़ की गयी इस बहुत बड़ी कार्रवाई पर भारत सरकार की अधिकारिक मोहर लगना अभी भी बाकी था, इस ज्वलंत मसले पर पूरी दुनिया भारत सरकार के आधिकारिक रुख को देखना चाहती थी। पल-पल इंतजार के बाद आखिर वह घड़ी आ ही गयी, जब भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की ऑफीशियल प्रेस ब्रीफिंग होने की सूचना आयी। प्रेस ब्रीफिंग में भारत सरकार के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, भारतीय सेना की तरफ से कर्नल सोफिया कुरैशी व वायुसेना की तरफ से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने आज सुबह 10.30 बजे भारत के जांबाजों के द्वारा पाक व पीओके में चुनिंदा आतंकवादियों के लक्षित एयर स्ट्राइक 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रेस ब्रीफिंग में सर्वप्रथम दशकों से चली आ रही पाकिस्तानी के द्वारा भारत में प्रायोजित आतंकवाद पर शार्ट फिल्म दिखाई गयी। उसके बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ब्रिफिंग में एयर स्ट्राइक के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री के द्वारा कही गई बातों का मूल सार यह है कि पहलगाम में हमला अत्यंत बर्बरतापूर्ण था, जिसमें पीड़ितों को बहुत नजदीक से सिर में गोली मारकर और उनके परिवार के सामने मारा गया, इस आतंकी घटना के पीड़ितों के माध्यम से आतंकियों के द्वारा मोदी सरकार को संदेश देने को कहा गया, यह हमला स्पष्ट रूप से कश्मीर में सामान्य स्थिति को कमजोर करने के उद्देश्य से व देश में दंगा फ़साद करवाने के उद्देश्य से किया गया था। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि भारत सरकार ने यह जरूरी समझा कि पहलगाम हमले के साजिशकर्ताओं और साजिशकर्ताओं को न्याय के कटघरे में लाया जाए। लेकिन एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान की ओर से अपने क्षेत्र में चल रहे आतंकवादी ढांचे के खिलाफ कोई भी ठोस कदम धरातल पर नहीं उठाया गया। जिसके चलते ही भारत सरकार ने पाकिस्तान व पीओके में छिपकर बैठे आतंकियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के अंतर्गत लक्षित ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करने का कार्य करके दुश्मनों के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5592

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5591

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5592

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2002 को इस देश के गोवाली लोकाया का राष्ट्रपति चुने गए (4)
4. यह पश्चिमी प्रशांत में आर्किपेलागो है जो 26 द्वीपों और 300 से अधिक आइलैंड्स से बना है जिसकी राजधानी मेलेकिओक है (3)
7. काल, कार्य, कर्म (2)
8. [illegible] (3)
9. एक प्रकार का चौपाया पक्षी जो गिलहरी और [illegible] के प्रकार का होता है (3)
11. बोझा या सामान उठाकर अपनी आजीविका चलाने वाला (2)
12. [illegible] (2)
13. [illegible] (2)
14. [illegible] (2)
16. [illegible] (2)
17. भारत की मुख्य भाषाओं में से एक (3)
19. धातु या मिट्टी आदि को टोंटीदार लोटा जो पूजादि में प्रयुक्त होता है (3)
21. [illegible] (4)
22. फटे हुए कपड़े या छेद में जगह भरकर उसे बंद करना (2)
23. पुण्य करना (3)
24. हिमाचल प्रदेश राज्य की पहाड़ियों का एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है (3)

ऊपर से नीचे

1. मौन करना, चुप करना (8)
2. दुर्गम, अगम्य, कठिन, विकट (3)
3. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
4. [illegible] (3)
5. [illegible] (2)
6. [illegible] (2)
10. कथन, भाषण (4)
11. [illegible] (4)
13. [illegible] (2)
15. [illegible] (4)
18. [illegible] (4)
20. [illegible] (3)

वर्ग पहेली 5591 का हल

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
[illegible]		[illegible]			[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	
[illegible]			[illegible]		[illegible]		[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]

आज का राशिफल

मेष — [illegible]

वृषभ — [illegible]

मिथुन — [illegible]

कर्क — [illegible]

सिंह — [illegible]

कन्या — [illegible]

तुला — [illegible]

वृश्चिक — [illegible]

धनु — [illegible]

मकर — [illegible]

कुंभ — [illegible]

मीन — [illegible]

हाई अटर्ल पर सुरक्षाबल

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम लागू होने के बावजूद राजधानी भोपाल में सुरक्षाबल हाई अलर्ट पर हैं। एयरपोर्ट सहित राजधानी के अन्य मार्गों पर पुलिस एवं सुरक्षाबल के जवान सतत निगरानी कर रहे हैं। वहीं आने जाने वाले वाहनों की भी मुस्तैदी के साथ चेकिंग की जा रही है।

सरकार से की मांग, ठेकेदारों का जल्द हो भुगतान

भोपाल (नप्र)। भ्रष्टाचार निरोधक प्रचार समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव एवं ठेकेदार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह द्वारा मध्य प्रदेश शासन से प्रमुख मांगों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए पत्रकार वार्ता का आयोजन किया इस पत्रकार वार्ता में मध्य प्रदेश शासन से मांग की गई की सभी ठेकेदारों का भुगतान जिस क्रम में ठेकेदारों का बिल सबमिट किया गया है उसी क्रम में समय पर किया जाए ताकि किसी भी ठेकेदारों को आर्थिक, सामाजिक ,पारिवारिक या किसी भी तरह की समस्याओं का सामना न करना पड़े सभी विभागों से निवेदन है कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बजट में जितनी राशि कार्य करने के लिए आवंटित की जाती है उतनी ही राशि की ही निविदा बुलाई जाए ताकि सभी ठेकेदारों का भुगतान समय पर हो सके सभी विभागों से निवेदन है कि जिन-जिन ठेकेदार भाइयों का लंबे समय से भुगतान नहीं हुआ है उनका भुगतान तुरंत करवाया जाए ताकि उनको कर्ज से मुक्ति मिल सके सभी विभागों से यह भी विशेष अनुरोध है कि एडिशनल परफॉर्मेंस सिक्योरिटीज समाप्त किया जाए ताकि छोटे ठेकेदार भाई भी निविदा में भाग लेकर के अपना जीवन यापन कर सके । इस प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ,राष्ट्रीय संयोजक संजय मिश्रा , राष्ट्रीय सचिव श्री एम पी राजवर ,व्यवस्थापक अमरेश पटेल ,ठेकेदार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह ,प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव त्यागी , प्रदेश कोषाध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव , प्रदेश सचिव नरेंद्र यादव, प्रदेश संयुक्त सचिव ऋषि देव सिंह,एवं संस्था के अन्य पदाधिकारी गण एवं संगठन के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

मिले सुर मेरा तुम्हारा 3 संपन्न

भोपाल (नप्र)। आई टी आई आडिटोरियम गोविन्दपुरा भोपाल में आयोजित मिले सुर मेरा तुम्हारा 3 बहुत भव्यता के साथ संपन्न हुआ, कार्यक्रम के आयोजक श्री अनिल गर्दे ने बताया कि दर्शकों से खचाखच भरे हाल में देर रात तक सुरीली प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया, कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ, उसके बाद 30 कलाकारों ने लगभग 40 विभिन्न रंगों से सजे गीत प्रस्तुत किए. कार्यक्रम लाइव आर्केस्ट्रा के साथ था जिससे सभी श्रोता, दर्शक झूम उठे, कार्यक्रम के अंत में श्री किशन पाहुजा ने आभार प्रदर्शन किया. सुर सरगम संगीत परिवार सभी उपस्थित श्रोताओ, विशिष्ट अतिथियों और कलाकारों, वादकों का हार्दिक आभार व्यक्त करता है भोपाल सुरों से सराबोर मधुर याद गार गीतों की संगीत संध्या,12 मई सोमवार ,रविन्द्र भवन .अंजनी सभागार. भोपाल संगीतमय कार्यक्रम में प्रदेश व शहर भोपाल के चुनिंदा सर्वश्रेष्ठ संगीतकार एवं गायक गायिकाओ की यादगार शाम आप के नाम .समय शाम छै बजे .लाईव म्यूजिशियनस के साथ अद्भुत प्रस्तुतीकरण का आनंद लेने अवश्य पधारें!

शादी का वादा कर बनाये संबंध, दूसरी जगह कर ली शादी

भोपाल (नप्र)। एक ही अस्पताल में काम करने वाले युवक ने जान पहचान के बाद युवती से शादी का वादा कर बनाए संबंध। इसके बाद आरोपी ने दूसरी जगह कर ली शादी। पुलिस ने शादी का वादा करने सहित अन्य धाराओं में किया मामला दर्ज। थाना निशातपुरा में पदस्थ मामले की जांच कर रही सब इंस्पेक्टर रिचा चौहान से मिली जानकारी के अनुसार मामले की शिकायत 25 वर्षीय युवती निवासी करोंद भोपाल द्वारा की गई है। जो अयोध्या बायपास स्थित एक अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ के रूप में कार्य करती है। वहीं उसी के साथ आरोपी मनीष अहिरवार भी काम करता है। जो करोद निवासी है। जो मूलतः राजगढ का निवासी है। उसके द्वारा पीड़िता से जान पहचान की गई। दोनों का एक ही क्षेत्र में निवास होने के कारण आना भी साथ होने लगा। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता को अपने कमरे में ले जाकर विगत 1 सितंबर 2024 को उसके साथ बहला फुसला कर शादी का वादा कर बालात्कार की घटना को अंजाम दिया।

तालाब में नहाने उतरा तो निकल नही पाया

भोपाल (नप्र)। खुशी लाल आयुर्वैदिक कॉलेज से कर रहा था बीएएमएस। तालाब में नहाने उतरा तो निकल नहीं पाया। गोताखोरो की मदद से निकलवाया गया शव। थाना कमला नगर प्रभारी निरूपा पांडे से मिली जानकारी के अनुसार मृतक विवेक शर्मा पुत्र छोटेलाल शर्मा उम्र 30 वर्ष निवासी पुनाभट्टी भोपाल। जो मूलत भिंड जिले का रहने वाला था। वह भोपाल में पुना भट्टी स्थित खुशी लाल आयुर्वैदिक अस्पताल से बीएएमएस कर रहा था। जो शनिवार को अपने दोस्तो के साथ वन विहार रोड पर पार्टी मनाने गया था। इसी दौरान वह नहाने के लिए तालाब मे उतर गया। जहां से वह निकल नहीं पाया। इसकी सूचना तत्काल उसके दोस्त धीरज चौधरी द्वारा पुलिस को दी गई थी।

मुख्यमंत्री ने भगवान नृसिंह के प्राकट्य दिवस पर दी शुभकामनाएं

भोपाल निप्र। आज रविवार को नृसिंह जयंती मनाई जा रही है। नृसिंह जयंती हर साल वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है। नृसिंह भगवान विष्णु के अवतार हैं। नृसिंह भगवान ने दैत्य राज हिरण्यकशिपु का वध किया था। इसी तिथी पर विष्णु भगवान नृसिंह रूप में प्रकट हुए थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने भगवान नृसिंह के प्राकट्य दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने शुभकामना संदेश में लिखा उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्। नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम्॥ भगवान विष्णु के चौथे अवतार भगवान नृसिंह जी के प्राकट्य दिवस नृसिंह चतुर्दशी की हार्दिक मंगलकामनाएं। भगवान नृसिंह की अपार कृपा से सभी के जीवन में

सुख एवं समृद्धि का वास हो; यही करबद्ध प्रार्थना करता हूं।

गुरु अमरदास के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दी: मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सिखों के गुरु अमरदास के प्रकाश पर्व पर आज रविवार को देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि गुरु अमरदास के आदर्श और सिद्धांत सदैव मानव समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा सिख धर्म के तीसरे गुरु, परम श्रद्धेय गुरु अमरदास जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। सामंतवाद, जाति-प्रथा, ऊंच-नीच, सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों से मुक्ति का मार्ग दिखाकर आपने लोक कल्याण का अद्भुत संदेश दिया। आपके चरणों में शत्-शत् प्रणाम करता हूं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर दी शुभकामनाएं

आज रविवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस है। भारत में हर साल देश भर में 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिक दिवस यानी नेशनल टेक्नोलॉजी डे मनाया जाता है। आज ही के दिन 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में सफल परमाणु टेस्ट किया था। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर तकनीकी जगत के विशेषज्ञों को शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। वर्ष 1998 में आज के ही दिन पोखरण-द्वितीय का सफल परीक्षण किया गया था। इस गौरवशाली अवसर पर देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों का स्मरण करते हुए उन विभूतियों को बारंबार प्रणाम, जिनके संकल्प व समर्पण से हमारा राष्ट्र प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों में नित नए अध्याय जोड़ रहा है।

नाग देव मंदिर कमला पार्क में नरसिंह भगवान की जयंती पर पूजा -अर्चना की गई।

शिवना नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है-सुश्री नटराजन

शिवना नदी से श्रमदान कर 11 दिनों में 110 ट्राली कचरा और गंदगी हटाई

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। जागरूक एवं लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व में चल रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान के ग्यारहवें दिन रविवार को नगर के नागरिकों ने श्रमदान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दिन 13 ट्रॉली गाद और जलकुंभी नदी से निकाली गई, जिससे अब तक कुल 110 ट्रॉली कचरा और गंदगी हटाई जा चुकी है।

पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने श्रमदान करते हुए कहा, शिवना नदी मंदसौर की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान है। इसे स्वच्छ और निर्मल बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। शिवना को शुद्ध रखना हमारा कर्तव्य भी है। शिवना शुद्धिकरण में सभी श्रमदान कर सहभागिता करें। विधायक श्री विपिन जैन ने नागरिकों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा, शिवना शुद्धिकरण अभियान जनसहभागिता का उदाहरण है। हम सभी मिलकर नदी को प्रदूषण मुक्त बनाएंगे। मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने बताया कि इस अभियान में नगर के विभिन्न वर्गों के लोग, सामाजिक संगठन और स्वयंसेवक सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं, जिससे यह एक जनांदोलन का रूप ले चुका है।

रविवार को श्रमदान करने पूर्व सांसद सुश्री मीनाक्षी नटराजन, विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटील, प्रकाश रातड़िया, सोमिल नाहटा, मनजीतसिंह टूटेजा, राघवेन्द्रसिंह तोमर, विकास दशोरा, अजय लोढा, तरूण खिंची, सुनील बसेर, राजनारायण लाड़, राजेश फरक्या, संजय नाहर, मुरली चिचानी, राजेश सौलंकी, देवेन्द्र योगी, रूपेश फरक्या, विश्वास दुबे, अनीष मंसूरी, राजेश चौधरी, अजय सोनी, रमेश ब्रिजवानी, आमीन खान, सादिक गोरी, हेमन्त कुमावत, विजय शर्मा, जितेन्द्र मीणा, सुभाष जैन, सुरेश कचरानिया, गणपत राठौर, कन्हैयालाल, शुभम कुमावत, शिवशंकर सौलंकी, साबिर इलेक्ट्रीशियन, ऋषिराज लाड़, रवि विनायका, योगेन्द्र गोड़, मुर्तजा घड़ियाली, गगन माली, शेलेष माली, किशोर पाटीदार, एनएसयूआई के हरिश पाटीदार, यश श्रीवास्तव, दुर्गाशंकर धाकड़, कमल कुमावत, कृष्णपालसिंह पंवार, रवि प्रजापत, आदर्श जोशी, समाजसेवी एम्ब्रोज अल्टर, मनीष भावसार, आस्था भावसार, सुधांशु भावसार, मोहनपुरी गोस्वामी, रामचन्द्र मालवीय पूर्व टीआई, कन्हैयालाल रायसिंघानी, अभिषेक सेठिया, विमलचन्द मच्छीरक्षक, भरत शिन्दे, अनिल दास बैरागी, अभिषेक तिवारी, रमेश सोनी, रूपेश सोलंकी पत्रकार, राजेश पाठक, दिलीप परमार, यतिन्द्र जोशी, ओमप्रकाश सूर्यवंशी, राकेश डांगी, महिला नेत्री रफत पयामी, सोनाली जैन, इष्टा भाचावत, प्रमिला पंवार, गीताली पोरवाल, शैली पोरवाल, दीपाली पोरवाल, राखी सत्रावाला, मीना चौहान, अनिता भदौरिया, वर्षा धोसरिया, पोरवाल सोश्यल ग्रुप के अशोक रत्नावत, श्याम घाटिया, आशा घाटिया, मधु रत्नावत, सीमा मोदी, प्रकाश गुप्ता, राजेन्द्र गुप्ता, प्रमिला गुप्ता, नवनीत गुप्ता, डॉ. प्रमोद सेठिया, सुनीता सेठिया, रामनिवास फरक्या, मनीष गुप्ता, जगदीश चौधरी, राजेश मण्डवारिया ओम शांति, सुधा गुप्ता, कृष्णकुमार मोदी, मनीष गुप्ता, शरद मेहता, माहेश्वरी समाज के महेश बंकट सोमानी, बाबूलाल डागा, गोपाल पसारी, सत्यनारायण माहेश्वरी, शिव काबरा, महेन्द्र जाजू, कैलाश छापरवाल, सत्यनारायण चिचानी, कृष्णकुमार जाखेटिया, प्रहलाद काबरा, कैलाश सोमानी, वासुदेव सोमानी, पंछी बचाओ अभियान के राकेश भाटी, निर्मल जैन, उषा कुमावत, कुसुम गुप्ता, अलका गुप्ता, प्रीति कुमावत, इण्डेन आइल कार्पोरेशन के जितेन्द्र मीणा, राधाकिशन पाटीदार, प्रवीण कुमार अग्रवाल, महेश शर्मा, रोहित चरेड़, रमेश चरेड़, दशरथसिंह, विक्रम मेघवाल, ब्रजेश शर्मा, मांगुसिंह चौहान, हेमन्त कुमावत, एस.के. श्रीवास्तव, बद्रीलाल सूयल, हीरालाल माली, घनश्याम माली, आर्ट ऑफ लिविंग के खुमानसिंह चुण्डावत, सुरेन्द्र संघवी, दिलीप परमार, नरेन्द्र धनोतिया, कमलेश कोठारी, अंकित सोनी, किरण गरूड़, श्याम भावसार, प्रमिला संघवी, शेलेन्द्र माथुर, अजय सिखवाल, सुशील तिवारी, नीडर सेवा संस्था के शहजाद हुसैन, सोहेल खान, प्रकाश परासिया, रेवास देवड़ा गांव से नागेश्वर रेदास, विनोद बामनिया, भालोट से राजू मिस्त्री, दिनेश कुमावत, धमनार से सोहनलाल धाकड़, ललित धाकड़, भावगढ से धर्मेन्द्र शर्मा, पदमेश सौलंकी, हरिश कुमावत, प्रमोद शर्मा, एहमद नूर मंसूरी, धारियाखेड़ी से अर्जुन पाटीदार, कृपालसिंह सिसौदिया, सूरज भाटी, अमलावद गांव से कैलाश कुमावत, मुकेश मीणा, मनीष मीणा, रमेश धनगर, रामेश्वर धनगर सहित बड़ी संख्या में श्रमदान करने गणमान्य नागरिक पहुंचे।

मजदूर कल्याण समिति द्वारा बुगलिया में तीसरा सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। मजदूर कल्याण समिति, जिला मंदसौर द्वारा आयोजित तीसरा सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन गांव बुगलिया नई आबादी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में अत्यंत गरीब परिवारों के जोड़ों का विवाह मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत संपन्न हुआ, जिसमें प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को 49,000 रू. की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। इस योजना से कई जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल प्राप्त हुआ है। मजदूर कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष करण सिंह परिहार ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहयोग प्रदान करना और समरसता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में मजदूर कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष करण सिंह परिहार,

प्रदेश उपाध्यक्ष गोवर्धन लाल हाडा, सीताराम परिहार, प्रकाश रैकवार, प्रदेश सचिव मनोहर देवड़ा, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पुष्पा चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रेणुका रामावत, रमेश अहिरवार, सागर परिहार, विष्णु खींची, प्रदेश मंत्री लक्ष्मीनारायण खींची, संभाग अध्यक्ष रामकन्या मालवीय, प्रदेश मीडिया प्रभारी नवीन चौहान, युवा मोर्चा प्रदेश प्रभारी अजय जटिया, जिला उपाध्यक्ष रामनिवास अहिरवार, जिला अध्यक्ष सुनील सिखवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष हंसा बोराना, प्रदेश महामंत्री बाबूलाल गुर्जर, जिला मीडिया प्रभारी रोहित जटिया, आरती खींची, भरत अहिरवार, एवं स्वामी निर्भय गिरी महाराज सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनपद पंचायत मंदसौर के अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस प्रशासन एवं समिति के अन्य पदाधिकारीगण भी मौजूद रहे।

सनातन धर्म में पूजा पाठ की सम्पूर्ण विधि के जनक है आदि गुरू शंकराचार्यजी

सीतामऊ, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। विश्व को मार्गदर्शन देने वाले सनातन धर्म की स्थापना करने वाले आदि गुरू शंकराचार्यजी की जयंती महोत्सव कार्यक्रम मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा मनाया जा रहा है,जो प्रेरणादाई है। हमें अपने जीवन में भी उनके द्वारा किये गये कार्यो को उतारना चाहिए।

उक्त विचार सक्षम संस्था के मालवा प्रांत प्रमुख रविन्द पाण्डे ने मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद विकासखंड सीतामऊद्वारा आदी गुरू शंकराचार्यजी की जंयती महोत्सव कार्यक्रम मे रविवार को सरसकुंवर विद्यालय सीतामऊ मे व्यक्त किये। मालवा प्रांत प्रमुख रविंद्र पांडे ने कहा कि मात्र 8 वर्ष की आयु में आदी गुरू शंकराचार्यजी ने चार वेदों का अध्ययन कर लिया था। उनको मात्र 12 वर्ष की आयु में संपूर्ण ज्ञान प्राप्त हो गया था । सनातन धर्म के 4 वेद और 18 पुराण की पुन:रचना करने का श्रेय आदी गुरु शंकराचार्यजी को जाता है। मां के आज्ञा से उन्होने सन्यास लिया था, लेकिन अंतिम समय में उन्होंने मां की सेवा की है। श्री पांडे ने कहा कि समाज में बढ़ती छुआछुत को खत्म करने के लिए उन्होंने काशी में सफाई कर्मी को साथ लेकर मार्गदर्शन दिया था। सनातन संस्कृति का पुन: उद्धार आदि गुरु शंकराचार्यजी को जाता है। सनातन धर्म में पूजा पाठ की सम्पूर्ण विधि के बारे में उन्होंने विस्तृत वर्णन किया है। व्याख्यान कार्यक्रम मे वरिष्ठ शिक्षक मनोज जामलिया ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य जी का जीवन हमे प्रेरणा देता है। छुआछुत सहित अनेक सामाजिक क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यो से हमे सिखना चाहिए। श्री जामलिया ने कहा की प्रकृति के प्रति हमारा कुछ दायित्व होता है,जिसे हमें उतरना होगा। व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं आदी गुरु शंकराचार्यजी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन हरिओम गंधर्व ने किया।अंत में आभार विकासखण्ड समन्वयक नारायणसिंह निनामा ने किया।जयंती महोत्सव कार्यक्रम मे नवांकुर संस्था से पंकज काला, दिलीप भटनागर, परामर्शदाता हेमंत गौड, हरिओम गंधर्व, मंगला बैरागी, सत्यनारायण प्रजापत,ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति से भगतराम राठौर,श्री पालीवाल ,मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के सभी विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर एवं कार्यपालन निर्देशक बतुल लाङ ने वर्चुअल क्लास के माध्यम से एमएसङ्लू के छात्र मुकेश शर्मा एवं छात्रा साधना सेन एवं सभी परामर्शदाताओ से कक्षा,उपस्थिती सहित अनेक विषयों पर चर्चा की गई।

आदिगुरु शंकराचार्य पर व्याख्यान माला संपन्न

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। विकास खंड मल्हारगढ़ पंडित अटल बिहारी वाजपेई शासकीय महाविद्यालय पिपलिया मंडी जिला मंदसौर में आदि गुरु शंकराचार्य जी के जन्मोत्सव पखवाड़े पर व्याख्यानमाला संपन्न। आदि गुरु शंकराचार्य व्याख्यान

माला का शुभारंभ के शासकीय महाविद्यालय में अतिथियों द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन प्रारंभ किया उपस्थित अतिथियों का अंग वस्त्र एवं पुष्प भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अतिथि लोकतंत्र सेनानी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वरिष्ठ श्री मनोहर लाल जैन, पूर्व सरपंच श्री बने सिंह शक्तावत, वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार प्रकाश बंसल,परिषद जिला समन्वयक श्री तृप्ति बैरागी द्वारा सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

श्री जेन ने कहा की आदि गुरु शंकराचार्य जी के भारत दर्शन ओर पूरब से पश्चिम उत्तर से दक्षिण की यात्रा कर चारो मठ की स्थापना की, श्री शक्तावत ने कहा भारत मे आदि गुरु शंकराचार्य जी के योगदान पर प्रकाश डाला। सामाजिक कार्यकर्ता, स्वैच्छिक संगठनो के प्रतिनिधि, बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र/छात्राओ सहित 150 प्रतिनिधि उपस्थित थे। सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रसफुटन समिति को ओर सीएमसीएलडीपी के छात्र को सम्मानित किया गया भरे सभागार में भारत माता की जय वंदे मातरम के जय घोष के साथ व्याख्यान का समापन हुआ,जल गंगा संवर्धन अभियान की शपथ दिलाई गई। इस दौरान संचालन परामर्शदाता उषा सोलंकी ने किया। आभार ब्लॉक समन्वयक श्रीमती अर्चना भट्ट ने किया।

बड़े अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन के आज 11 मई को 23वे स्थापना दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय मंदसौर रेडक्रॉस सोसायटी परिसर में युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र उदिया के मार्गदर्शन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं राजा टोडरमल के चित्र पर माल्यार्पण मुख्य अतिथि अखिल भारतीय पोरवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश पोरवाल नीमच एवं अध्यक्षता पोरवाल समाज मंदसौर अध्यक्ष रामगोपाल गुप्ता इंजीनियर विशेष अतिथि जगदीश घाटिया पूर्व जिला अध्यक्ष युवा संगठन जगदीश मंडवारिया की उपस्थिति में माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र उदिया द्वारा अतिथियों का पुष्प माला से स्वागत किया गया।रक्तदान करने वाले युवाओं का युवा संगठन के प्रदीप घाटिया द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय पोरवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश पोरवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि संगठन में शक्ति है रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता समाज के सभी युवाओं को बढ़चढ़कर रक्तदान में भाग लेना चाहिए किसी भी दुर्घटना में यह हमारा रक्तदान काम आता है जो एक महादान है। पोरवाल समाज अध्यक्ष रामगोपाल गुप्ता ने कहा कि युवा संगठन की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम रक्तदान से वास्तव में जीवन दान होता है।

प्रदेश में फ्री खाद्यान्न योजना से हटाए 15 लाख नाम, 83 लाख का ई-केवायसी बाकी

भोपाल, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत प्रतिमाह दिए जाने वाले निःशुल्क खाद्यान्न का लाभ केवल पात्र व्यक्तियों को ही मिले, इसके लिए ई-केवायसी करवाया जा रहा है। मध्य प्रदेश में अभी तक 15 लाख ऐसे हितग्राही चिह्नित किए गए हैं, जिनका या तो निधन हो गया है या फिर वे चार माह से खाद्यान्न लेने नहीं आए। इन सभी के नाम पात्रता सूची से हटाए गए हैं। अभी भी 83 लाख हितग्राहियों का ई-केवायसी होना बाकी है। इनमें भी तीन से चार लाख ऐसे हितग्राही हो सकते हैं, जिनका नाम दो जगह दर्ज है, उनका निधन हो चुका है या फिर खाद्यान्न लेने ही नहीं आ रहे हैं। ऐसे हितग्राहियों का नाम सूची से काटकर नए नाम जोडे जाएंगे।

खाद्य सुरक्षा कानून के प्रविधान के अंतर्गत मध्य प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के 5.46 करोड हितग्राही हो सकते हैं। यह संख्या साढे पांच करोड को पार कर गई थी। जांच कर कुछ नाम छांटे गए फिर भी अपात्रों को राशन मिलने की शिकायतें आ रही थीं। इसे देखते हुए सरकार ने ई-केवायसी की प्रक्रिया प्रारंभ की। इसमें एक-एक हितग्राही की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आधार आधारित बायोमैट्रिक सत्यापन कराया जा रहा है।

साढ़े चार लाख हितग्राही राशन लेने ही नहीं आ रहे– इसमें साढे चार लाख हितग्राही तो ऐसे पाए गए जो चार माह से राशन लेने के लिए नहीं आ रहे हैं। जबकि, योजना में निःशुल्क खाद्यान्न देने का प्रविधान है। इसी तरह जांच में यह भी सामने आया कि लगभग 10 लाख हितग्राही ऐसे हैं, जिनका या तो निधन हो चुका है या फिर कहीं चले गए हैं। ऐसे सभी लोगों के नाम काटे जाने चाहिए थे लेकिन सूची में दर्ज थे। इनके नाम पर खाद्यान्न भी आवंटित हो रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जनवरी से अप्रैल, 2025 के बीच 15 लाख नाम सार्वजनिक वितरण प्रणाली के हितग्राहियों की सूची से हटाए जा चुके हैं। यह प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है इसलिए संख्या बढ भी सकती है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जब भी किसी हितग्राही परिवार के किसी सदस्य का निधन होता है या फिर विवाह कर लडकी ससुराल चली जाती है तो उसका नाम हटाना होता है। इसकी जानकारी स्थानीय निकायों द्वारा संग्रहित कर समग्र पोर्टल पर दर्ज कराई जाती है। वहां से खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को प्रतिमाह डाटा मिलता है, जिसके आधार पर नाम हटाए जाते हैं।

इंदौर में सर्वाधिक और भिंड में सबसे कम ई-केवायसी– प्रदेश में अभी तक 84 प्रतिशत ई-केवायसी का काम हो चुका है। सर्वाधिक 92 प्रतिशत हितग्राहियों का ई-केवायसी इंदौर में हुआ है, जबकि सबसे कम 75 प्रतिशत भिंड जिले का रहा है। बालाघाट में 90, भोपाल 85, उज्जैन 83 जबलपुर 81 प्रतिशत हितग्राहियों का ई-केवायसी किए जा चुका है। टीकमगढ, शिवपुरी, आलीराजपुर, अशोक नगर जिले में 80 प्रतिशत से कम काम हुआ है।

2.90 लाख टन प्रतिमाह लगता है गेहूं-चावल– सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत प्रतिमाह 2.90 लाख टन निःशुल्क खाद्यान्न दिया जाता है। इसमें 1.74 लाख टन चावल और 1.16 लाख टन गेहूं है। प्रदेश सरकार ने चावल का कोटा कम करके गेहूं का बढाने की मांग की है। गेहूं उपार्जन का काम पूरा हो चुका है इसलिए अब कोटा में परिवर्तन संभव है।

जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र में...

सराय अधिनियम 1867 की धारा-8 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने सम्पूर्ण मंदसौर जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र अंतर्गत सराय अधिनियम 1867 की धारा-8 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर स्थित होकर धार्मिकधार्मिक नगरी के रूप में जाना जाता है, नगर की जनसंख्या में वृद्धि होने, अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन एवं किरायेदारों/ नौकरों/ पेईग गेस्ट होम स्टे, प्रतिदिन होटल, लॉज, धर्मशाला, सराय, मुसाफीरखाना में ठहरने वाले आगन्तुकों एवं आवासरत व्यक्तियों द्वारा असामाजिक, अवांछनीय गतिविधि संचालित किये जाने की आशंका के कारण जन सामान्य के जान माल को आसन्न खतरा उत्पन्न होने की प्रबल संभावना है। ऐसी स्थिति में शहर से जुडी नई आबादी, किरायेदारों / नौकरों/ पेईग गेस्ट / होम स्टे, प्रतिदिन होटल, लॉज, धर्मशाला, सराय, मुसाफीरखाना में ठहरने वाले आगन्तुकों की जानकारी संबंधित पुलिस थाना में उपलब्ध कराना आवश्यक है, जिससे समय-समय पर उनका सत्यापन किया जाकर लोक संपत्ति एवं मानव जीवन की सुरक्षा के खतरे को कम किया जा सके। मंदसौर जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखने, लोक संपत्ति तथा मानव जीवन की सुरक्षा के खतरे को कम करने को दृष्टिगत रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने सम्पूर्ण मंदसौर जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र अंतर्गत सराय अधिनियम 1867 की धारा-8 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

होटल, लॉज, धर्मशाला, सराय, मुसाफीरखाना, होम स्टे के मुख्य काउण्टर पर प्रबंधक संचालक का नाम, मोबाईल नंबर स्पष्टरूप में अंकित हो ताकि आगन्तुकों को समन्वय करने में सुलभता रहे। ऐसे व्यक्तियों की सूचना जो दो सप्ताह से अधिक समय तक निवास कर रहे हो, तत्काल संबंधित थाने पर विहित प्रारूप में मकान/ दुकान मालिक, पेईग स्टे, होम स्टे संचालक के द्वारा दी जाये। पेईग स्टे होम स्टे की सूचना संबंधित मकान मालिक/संचालक द्वारा विहित प्रारूप में थाने पर तत्काल दी जावे इसके उपरांत ही पेईग गेस्ट होम स्टे पर रखा जावे। होटल, लॉज, धर्मशाला, सराय, मुसाफीरखाना, होम स्टे संचालक निर्धारित रजिस्टर काउण्टर पर रखेंगे, जिसमें आगन्तुकों के संबंध में पूर्ण जानकारी दर्ज हो। होटल, लॉज, धर्मशाला, सराय, मुसाफीरखाना, होम स्टे हेतु आगन्तुक का चेहरा सी.सी.टी.वी. में स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो इस प्रकार सी.सी.टी.वी. का इंस्टालेशन करावेंगे, साथ ही एक माह के बैंक अप के साथ डी.वी.आर. संधारित करेंगे। यह आदेश जन साधारण की सुविधा एवं अवांछनीय गतिविधियों की रोकथाम, अपराधियों की पहचान एवं जनमानस व लोक संपत्ति की सुरक्षा के लिये अत्यंत आवश्यक है एवं शीघ्र जारी किया जाना अनिवार्य है तथा सर्व संबंधितों को शीघ्रतापूर्वक व्यक्तिशः सुनवाई संभव नहीं है, अतः एक पक्षीय रूप से पारित करते हुए आश्रम, बोर्डिंग हाउस, सर्किट हाउस, धर्मशाला, गेस्ट हाउस, छात्रावास, होटल, लॉज, पेईग गेस्ट, रिजॉर्ट, रेस्ट हाउस एवं किराये पर दी गई प्रापर्टी आदि के संचालों को निर्देशित किया जाता है कि, निर्देशों का पालन करे।

पुलिस द्वारा जारी एडवाईजरी का पालन करें जिले के नागरिक-एसपी

नीमच, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला पुलिस नीमच द्वारा जिले के नागरिकों से लिए एडवाईजरी जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने नीमच जिले के नागरिकों से एडवाईजरी में जारी में बिन्दुओं का पालन करने की अपील की है। पुलिस द्वारा जारी एडवायजरी में बताया गया है, कि राष्ट्रीय एकता, अखण्डता व आपसी सौहार्द को प्रभावित करने वाले संदेश सोशल मिडिया पर फैलाना प्रसारित करने पर संबंधित के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं अन्य विधानों के तहत कार्यवाही की जावेगी।

सभी सोशल मिडिया प्लेटफार्मस (Facebook, Instagram, Whatsapp AmoX) पर किसी भी प्रकार का तथ्यहीन भ्रामक या अफवाह फैलाने वाले, तनाव निर्मित करने वाले मैसेज प्रसारित नहीं करें। समस्त वाटसएप ग्रुप के एडमिन को निर्देशित किया गया है, कि अपने ग्रुप पर उक्त प्रकार के मैसेज प्रसारित नहीं करें, ऐसे व्यक्तियों को तत्काल ग्रुप से बाहर करें एवं सूचना पुलिस को देवें। किसी भी अनजान लिंक, एप्लीकेशन पर क्लिक नहीं करें, अनजान एप्लीकेशन को डाउनलोड नहीं करें, केवल अधिकारिक एप स्टोर से ही एप्लीकेशन डाउनलोड करें। बिना अनुमति के किसी भी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन नहीं करें। पुलिस द्वारा जारी एडवाईजरी में सभी होटल एवं लॉज संचालक को सख्त रूप से निर्देशित किया गया है, कि वे अपने यहां रुकने वाले समस्त लोगों की सम्पूर्ण जानकारी निर्धारित प्रारूप में संकलित करें और रुकने वाले समस्त लोगो के वैध दस्तावेजों को चेक करें। यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति होटल लॉज में ठहरने आता है तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस कन्ट्रोल रूम नीमच, संबंधित पुलिस थाना डायल 100 के माध्यम से पुलिस को अनिवार्य रूप से सुचित करें। समस्त मकान मालिकों को सख्त निर्देशित किया गया है कि अपने यहां रूकने वाले किरायेदारों की निर्धारित फार्मेट में जानकारी तत्काल नजदिकी पुलिस थाने पर उपलब्ध करवाये। बिना वैध दस्तावेजों के किसी भी व्यक्ति को मकान फ्लैट, दुकान किराये पर नहीं दे।

पुलिस द्वारा सभी कियोस्क संचालकों को निर्देशित किया गया है, कि आपके यहाँ ऑनलाईन भुगतान रूपये हस्तांतरण हेतु आने वाले समस्त व्यक्तियों की जानकारी निर्धारित फार्मेट में एक रजिस्टर में संधारित करें। यदि कार्ड संदिग्ध व्यक्ति रूपये हस्तांतरण हेतु आता है तो उसकी सूचना तत्काल नजदिकि पुलिस स्टेशन, पुलिस कन्ट्रोल रूम नीमच या डायल 100 के माध्यम से पुलिस को देवें। सभी प्रकार के प्रतिष्ठान संचालकों व्यापारियों को निर्देशित किया गया है, कि अपने यहां कार्य कर रहे कर्मचारियों की जानकारी समस्त वैध दस्तावेजों के साथ तत्काल नजदिकि पुलिस स्टेशन पुलिस को देवें। सभी पेट्रोल पंप संचालक किसी भी ग्राहक को वाहन के अतिरिक्त खुले में पेट्रोल, डीजल विक्रय नहीं करें। किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल उसकी सूचना पुलिस कन्ट्रोल रूम नीमच पर हेल्पलाईन नंबर 7049101042, 07423228000 पर या नजदिकि पुलिस थाने पर दें। नीमच पुलिस द्वारा जनहित में जारी इस एडवाईजरी का पालन करने की अपील सभी नागरिकों से की है।

अस्सी लाख जमा नहीं कराने पर मेला सील

शहर में चल रहा राजस्थान मेगा ट्रेड फेयर हुआ बंद, झूले व अन्य सामान जप्ती में लिया

रतलाम, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर के आंबेडकर ग्राउंड पर चल रहे राजस्थान मेगा ट्रेड फेयर को नगर पालिक निगम ने शनिवार को बंद करा दिया। मेला परिसर को सील कर दुकानों व झूले को अपनी संपत्ति बताते हुए जब्ती में ले लिया। जब्ती के बोर्ड लगा दिए। मेला संचालन की 14 मई तक की अनुमति थी।

बता दे कि आंबेडकर ग्राउंड में मेले के लिए नगर निगम से 10 हजार स्क्वेयर फीट जमीन की अनुमति ली गई। लेकिन, मेला संचालन करने वालों ने ग्राउंड की 1.30 लाख स्क्वेयर फीट जगह पर मेला लगा दिया। मेले की शुरुआत 14 अप्रैल को हुई, जो कि 14 मई तक संचालित होने वाला था।

भाजपा पार्षदों ने की थी शिकायत– निगम की अनुमति अनुसार 30 दिन के लिए मेला संचालन करने वालों ने 6.06 लाख रुपए की राशि जमा कराई। अधिक जगह पर कब्जा होने की शिकायत नगर निगम के भाजपा पार्षदों ने निगम कमिश्नर को की थी। इसके बाद जांच में पाया था कि अनुमति से अधिक जगह पर कब्जा किया। जिससे नगर निगम को राजस्व की हानि हुई। 02 मई को नगर निगम द्वारा मेला संचालन करने वाले को 02 रुपए प्रति स्क्वेयर फीट के हिसाब से 79 लाख रुपए जमा कराने का नोटिस दिया। 07 दिन में राशि जमा कराने को कहा।

60 – 70 दुकाने लगी– मेले में यूपी, बिहार, राजस्थान, मप्र समेत अन्य जगहों के दुकानदारों ने दुकाने लगा रखी है। इसके अलावा झूले भी लगे है। फीश टनल भी है, जिसे सील नहीं किया है। क्योकि, इसमें मछलिया है। इन दुकानों से मेला संचालक प्रतिदिन के हिसाब से राशि लेता है। मौके पर मौजूद मेला संचालन मैनेजर सलमान हैदर से उनका पक्ष जानना चाहा। उन्होंने कुछ भी बोलने से मना कर दिया। उन्होंने मेला संचालक अशोक जैन से बात करने को कहा। जिनसे बात नहीं हो सकी।

श्रद्धा और सच्चाई हो तो ईश्वर प्रकट होकर जरूर रक्षा करते हैं, नरसिंह चतुर्दशी पर पर्व मनाया

पिपलियामंडी, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। अग्रवाल मोहल्ला स्थित नरसिंह मंदिर में नरसिंह चतुर्दशी के अवसर पर महाआरती का आयोजन हुआ। पंडित शम्भूदयाल शर्मा ने बताया कि वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को नरसिंह जयंती मनाई जाती है। इसी तिथि पर भगवान विष्णु ने नरसिंह अवातर लिया था। इसे नरसिंह चतुर्दशी के नाम से भी जाना जाता है। नरसिंह भगवान विष्णु का चौथा अवतार है, जो दुष्टराजा हिरण्य कश्यप को मारने के लिए प्रकट हुए थे। इस दिन नृसिंह स्तोत्र, नृसिंह कवच का पाठ करना अत्यंत पुण्यदायक माना जाता है। भगवान विष्णु के कई अवतारों में नरसिंह चौथा अवतार है, जिसमें उनका रूप आधा सिंह और आधा मानव का है। भगवान ने यह अवतार भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए लिया था, जो कि इस बात का भी प्रमाण है कि भक्त की भक्ति में अगर श्रद्धा और सच्चाई हो तो ईश्वर प्रकट होकर जरूर रक्षा करते हैं। भगवान विष्णु ने हिरण्यकश्यप पर क्रोध करते हुए उसे मारने के लिए ये अवतार लिया था और क्रोध से भगवान नृसिंह का शरीर जलता है, इसलिए उन्हें ठंडी चीजें अर्पित की जाती हैं। इस अवसर पर मंदिर मे सुबह भगवान को दूध दही, पंचामृत से अभिषेक किया गया। पूजा के बाद मंदिर पर नई ध्वजा लगाई गई, शाम को भगवान की विशेष आरती की गई। जिसमें बडी संख्या मे महिलाएं उपस्थित रही। आरती के बाद सभी को प्रसाद का वितरण भी किया।

भादवा माता घाणावार तेली समाज का सामूहिक विवाह सम्पन्न

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। आदर्श तुलसी विवाह एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन घाणावार तेली समाज महामाया भादवा माता द्वारा आयोजित 19 वे सामूहिक विवाह सम्मेलन, अतिथि सम्मान समारोह, के लिए सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष महोदय व समस्त पदाधिकारीयों तथा धर्मशाला समिति अध्यक्ष महोदय एवं समस्त पदाधिकारियों , समितियों, कार्यकर्ताओं के अथक ,अभूतपूर्व मेहनत व परिश्रम त्याग ,बलिदान के फल स्वरुप मिली अपार ऐतिहासिक सफलता के लिए सभी पदाधिकारियों, समिति सदस्यो, कार्यकर्ताओं, सेवादाताओं, समाजसेवी बंधुओ का बहुत-बहुत धन्यवाद व आभार तथा ऐतिहासिक सफलता का अपार सहयोग मिला।

कैलाश मानसरोवर मुक्ति हेतु प्रयागराज से पशुपतिनाथ काठमांडू तक निकलेगी यात्रा-इंद्रेश कुमार

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. इंद्रेश कुमार ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव, मंत्रिपरिषद के साथ मध्यप्रदेश निति आयोग द्वारा आयोजित निति संवाद श्रृंखला के शुभारम्भ कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया और अनन्य विषयों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर जय भारत मंच संगठन के मार्गदर्शक होने के नाते तीन दिवसीय प्रवास पर भोपाल, इंदौर व उज्जैन में विभिन्न आयोजनों में उन्होनें भाग लिया।

जय भारत मंच के मार्गदर्शक डॉ. इंद्रेश कुमार ने जय भारत मंच के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने कैलाश मानसरोवर मुक्ति हेतु प्रयागराज से पशुपतिनाथ काठमांडू नेपाल में आयोजित होने वाली यात्रा के आयोजन हेतु दिशा निर्देश दिये। बैठक मे अखंड भारत को लेकर कहा की भारत की समप्रभूता, एकता, अखण्डता, समरसता आपसी सौहार्द को बिगाडने वाली ताकतों नक्सलवाद आतंकवाद जैसी ताकतों को जड से नेस्तनाबूत कर उनकी जडो को खत्म करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति सभ्यता आज भी विश्व मे एकता का परिचयक रहा है भारत अपनी पुरात्न संस्कृति सभ्यता का पुरोधा रहा है।उन्होंने पहलगाव की घटना को लेकर भी मृतक परिवार को सांत्वना व महान आत्माओं के लिए कुछ देर मौन रह कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जय भारत मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पराज तिवारी राष्ट्रीय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री चन्द्रसिंह सिसौदिया विधायक गरोठ, उपाध्यक्ष श्री ए एम पांडेय, राष्ट्रीय महामंत्री श्री अर्जुन सिंह, मंत्री श्री तरुण बियानी, प्रांतीय महामंत्री श्री कमल कोठारी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री आशेंद्र मिश्रा, श्री शैलेंद्र पंवार, श्री मेहताब सिसोदिया, श्रीमति स्वर्णा झँवर, श्रीमति सपना तिवारी, श्रीमति तारिक सराफ, श्रीमति अंजली सराफ, श्री जगदीश, राजेश मंडवारिया आदि कार्यकर्ता उपस्थिति रहे। यह जानकारी कमल कोठारी ने दी।

देव नगराज भैरुजी मंदिर पर महायज्ञ की पूर्णाहूति आज

नगरी, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर के आराध्य देव नगराज भैरू जी मंदिर पर पांच दिवसीय महायज्ञ की पूर्णाहुति आज होगी। भैरू पूर्णिमा पर नगर के साथ ही आसपास के जिलों के श्रद्धालु भी नगराज भैरू जी के दर्शन के लिए आते है। भैरू पूर्णिमा पर नगर के अटोलिया परिवार द्वारा भंडारे का आयोजन किया जायेगा।

अधिकारियों को सौपे गए आपदा प्रबंधन से संबंधित दायित्व

नीमच, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.शासन गृह मंत्रालय भोपाल द्वारा आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए है। इसके तारतम्य में जिले में आपदा प्रबंधन की दृष्टि से विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौपे गए है। जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार एडीएम नीमच श्रीमती लक्ष्मी गामड को सम्पूर्ण जिले में कानून एवं पुलिस समन्वाय व्यवस्था, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेडे को आपदा प्रबंधन से संपबंधित सभी प्रकार की जानकारी एवं पत्राचार व्यसवस्था, डिप्टी कलेक्टर डॉ.रश्मि श्रीवास्तसव को आपदा प्रबंधन के महत्वपूर्ण निर्देशों के संकलन एवं जानकारी प्रस्तुत करने, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे एवं जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर.एन.दिवाकर आपदा की स्थिति में आवश्यक आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना को तहसील एवं नगरीय निकायों के वायलेन्टियर्स के नाम, मो.न. की क्षेत्र वाईस जानकारी संकलन करने का दायित्व सौंपा गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बमोरा में किया श्रमदान

नीमच, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संर्वधन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद द्वारा नीमच जनपद के ग्राम बामोरा में मंशापूर्ण बालाजी मंदिर के समीप प्राचीन घाट पर स्वच्छता श्रमदान किया गया। इस मौके पर नवांकुर संस्था के पदाधिकारी, सदस्यगण, स्थानीय सरपंच एवं पंच तथा अन्य ग्रामीणजनों ने स्वंच्छेता के लिए श्रमदान किया।

अरोरा परिवार की वयोवद्ध श्रीमती प्रोमिलादेवी अरोरा का निधन, अंतिम यात्रा आज

नीमच, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। अरोरा परिवार (गंगानगर वालों) की वयोवद्ध एवं स्वर्गीय अविनाश अरोरा की धर्मपत्नी प्रोमिलादेवी अरोरा का रविवार शाम को निधन हो गया है। इस दुखद निधन से अरोरा परिवार सहित अंचल में शोक की लहर छा गई। वे नीरज अरोरा की पूज्य माताजी और कृष अरोरा और युवराज अरोरा की पूज्य दादाजी थे। 65 वर्षीय श्रीमति प्रोमिलादेवी धार्मिक प्रवृत्ति और मिलनसार थी गंगानगर परिवार में सबसे वयोवद्ध थी। उनका अचानक चले जाना गंगानगर परिवार को अपूर्णीय क्षति है। सोमवार दिनांक 12 मई को सुबह 11 बजे सीआरपीएफ रोड स्थित बंगला नंबर 43 निजी निवास से उनकी अंतिम यात्रा निकलेगी।

नपा नीमच द्वारा सौपे आपदा प्रबंधन के दायित्व

नीमच, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्य नगरपालिका अधिकारी नीमच द्वारा नगरीय क्षेत्र नीमच में आपदा प्रबंधन की स्थिति से निपटने के लिए सहायक यंत्री श्रीमती अभिलाषा चौरसिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ अग्नि समन व्यवस्था का दायित्व उपयंत्री श्रीमती अर्पणा गिरी, प्रमोद चौहान एवं श्री नाहरसिह को सौपा गया है। सफाई व्ययवस्था का दायित्व स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश टांक, स्वच्छता निरीक्षक श्री भारत भारद्वाज, श्री गोपाल नरवाले, श्री भेरूलाल अहीर, श्री अनिनाश घेघंट, प्रकाश व्यवस्था श्री अरविंद सिह, उपयंत्री एवं श्री मोहम्मद कलीम को सौंपी गई है। इसी तरह जल प्रदाय व्यवस्थाई का दायित्व उपयंत्री श्री अम्बालाल मेघवाल, केमिस्टर श्री सुरेश पंवार एवं श्री नाथूलाल नागर को सौंपा गया है। जर्जर भवनों की पहचान एवं कार्यवाही का दायित्व उपयंत्री श्री ओपी परमार, श्री अब्दुल नईम, श्री हेमंत सिसोदिया को सौपा गया है। आपदा की स्थिति में वृक्षों से संबंधित दायित्व स.रा.नि.श्री महावीर जैन, श्री जुनेद खान एवं बापूसिह चौहान, राहत स्थलों का चयन एवं राहत संबंधी आवश्यक व्यवस्थाओं का दायित्व राजस्व अधिकारी श्री टेकचंद बुनकर, श्री तेजप्रकाश चौपडा, श्री राकेश जाजू, श्री राजेश मंगल को सौंपा गया है।

आईएमडी का एलर्ट: 30 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान की चेतावनी

यूपी-राजस्थान के 50 जिलों में रहें सावधान

नई दिल्ली, 11 मई। देश के 30 राज्यों में आज रविवार को आंधी-बारिश और तूफान की चेतावनी है। इस दौरान हवाएं 40 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं। अगले 2 दिन में अधिकतर राज्यों का तापमान 2-4 डिग्री तक बढने की संभावना है।

मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि इस बार देश में मानसून तय समय से 4 दिन पहले पहुंच सकता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून 27 मई को केरल तट से टकराएगा। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है। राजस्थान के कोटा, भरतपुर समेत कई जिलों में शनिवार को बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आज 30 जिलों में आंधी-बारिश की संभावना है। पूरे मध्य प्रदेश में आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी है। उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी है। वहीं, प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में पारा 40 के करीब पहुंच गया है। आगरा में बीते दिन 80 किमी की रफ्तार से हवाएं चलीं, कई होर्डिंग और पेड उखड गए।

शनिवार को ओडिशा के 16 शहरों में पारा 40 डिसे से ज्यादा रहा। सबसे ज्यादा 42।7 डिसे संबलपुर का रहा। पश्चिम बंगाल के 5 जिलों में हीटवेव की स्थिति रह सकती है, तापमान 40।0एष्ट पार जा सकता है।

समय से 4 दिन पहले मानसून की दस्तक संभव– मानसून देश में इस बार तय समय से 4 दिन पहले पहुंच सकता है। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून 27 मई को केरल तट से टकराएगा। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगर मानसून 27 मई को आता है तो यह 16 साल में पहली बार होगा जब यह इतनी जल्दी दस्तक देगा। 2009 में 23 मई को और 2024 में 30 मई को मानसून ने केरल में दस्तक दी थी। इसके अलावा 2018 में 29 मई को मानसून आया था।

धनगर गायरी समाज की जिला बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 11 मई गुरु एक्सप्रेस। धनगर गायरी समाज की जिला बैठक नरसिंह नाथ मंदिर मैनपुरी पर जिला अध्यक्ष दशरथ धनगर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। जिसमें जिला उपाध्यक्ष कन्हैयालाल धनगर जमालपुरा, जिला कोषाध्यक्ष अंबालाल धनगर, जिला सचिव राजेश धनगर एवं मंदसौर तहसील अध्यक्ष लोकेश धनगर को नियुक्त किए गए। बैठक में पूर्व युवा जिला अध्यक्ष देवीलाल धनगर दलोदा का विदाई समारोह भी आयोजित किया गया।

साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाकर सामाजिक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। जिला स्तर पर अहिल्या देवी जयंती का आयोजन, कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान, कैरियर काउंसलिंग का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष दशरथ धनगर पूर्व युवा जिला अध्यक्ष विरम धनगर, जनपद सदस्य बंशीलाल धनगर, वरिष्ठ विक्रम विद्यार्थी, रामलाल धनगर, बद्रीलाल धनगर, रामनारायण धनगर, सरपंच कंवरलाल धनगर सगवाली. मोहनलाल धनगर नयाखेडा, वेणीराम धनगर खजूरी, सुनील धनगर मैनपुरिया, केसुराम धनगर, इंद्रमल धनगर ,भगत राम धनगर के साथ समाज के कहीं वरिष्ठ व युवा साथी बैठक में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अंबालाल धनगर द्वारा किया व आभार जिला अध्यक्ष दशरथ धनगर ने माना।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in